रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

हम सभी का दायित्व है प्रदूषण मुक्त समाज–:कुलपति प्रो. मिश्र
यूजीसी मानव संसाधन केन्द्र में पर्यावरण प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स का समापन

जबलपुर 30 जनवरी। पर्यावरण को जानने, पढ़ने के साथ साथ उसे अपने आचरण में क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। इसके प्रति मनोदशा को परिवर्तित करना समय की मांग है और इसे चैतन्य होकर करना होगा। व्यक्तिक, पारिवारिक एवं मानसिक पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखें,क्योंकि वर्तमान में सोशल मीडिया के जरिए आंतरिक प्रदुषण बढ़ रहा है। समाज प्रदूषण मुक्त हो यही हम सभी का दायित्व होना चाहिए। ये कथन माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने शनिवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन केंद्र के तत्वाधान में पर्यावरण अध्ययन एवं आपदा प्रबंधन पर हो रहे रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किए।

रादुविवि के यूजीसी–एचआरडीसी द्वारा 2 सप्ताह के पर्यावरण अध्ययन एवं आपदा प्रबंधन पर हो रहे रिफ्रेशर कोर्स के अंतिम दिवस आयोजित ऑनलाईन समापन कार्यक्रम में एचआरडीसी के निदेशक प्रोफेसर कमलेश मिश्र ने बताया कि पर्यावरण प्रबंधन का तात्पर्य पर्यावरण के प्रबंधन से ही नहीं है, बल्कि आधुनिक मानव समाज के पर्यावरण के साथ संपर्क तथा उसपर पड़ने वाले प्रभाव के प्रबंधन से है। पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता को कई दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है। समापन कार्यक्रम में कोर्स के बारे में जानकारी देते हुए कोर्स समन्वयक डॉ. लोकेश श्रीवास्तव ने बताया कि पर्यावरण प्रबंधन को प्राकृतिक पर्यावरण पर मानवीय गतिविधियों के संपर्क और प्रभाव के प्रबंधन के रूप में परिभाषित किया गया है। पर्यावरण प्रबंधन उन कारकों की पहचान करने की कोशिश करता है जिनकी संघर्षों में हिस्सेदारी है जो जरूरतों को पूरा करने और पर्यावरण की रक्षा के बीच बढ़ सकती है।

प्रतिभागियों ने ऑनलाईन शेयर किए अपने अनुभव–

रादुविवि में यूजीसी–एचआरडीसी, जबलपुर द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने ऑनलाईन कोर्स से संबंधित अपने अनुभव शेयर किए; इस दौरान प्रतिभागी डॉ. अभय सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी, दयानंद एंग्लो–वैदिक कॉलेज, कानपुर, डॉ. दीप्ति सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी, दयानंद एंग्लो–वैदिक कॉलेज, कानपुर, सुश्री रंजना कुशराम, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी, शासकीय अरण्य भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैहर, बालाघाट ने विषयांतर्गत जानकारी प्रदान की। समापन कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रो. राजेश्वरी राणा उप निदेशक यूजीसी–एचआरडीसी, जबलपुर द्वारा किया गया। रादुविवि मानव संसाधन केन्द्र के डॉ. संजीव पाण्डेय ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में 4 राज्यों से 47 सहायक प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि में दी गई श्रद्धांजलि एवं रखा दो मिनिट का मौन

जबलपुर 30 जनवरी। महात्मा गांधी के विचार केवल चिंतन नहीं हैं बल्कि इन्हें अपने आचरण में उतारना ही गांधीजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महात्मा गांधी युगपुरूष हैं और आज सम्पूर्ण विश्व उनके विचारों का अनुसरण कर रहा है, उनका दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक हैं। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेन्डसे, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, श्री राजमणि नासेरी, श्री ओमप्रकाश शुक्ला, श्री शरद कौशिक, श्रीलाल बैगा सहित अधिकारीगण एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।